

बेनामी संपत्ति पर एक और वार : शुरू हुई मुखबरी योजना

चर्चा में क्यों?

मोदी सरकार ने वमिद्रीकरण और वदिशी काले धन पर कानून बनाने के बाद बेनामी संपत्ति और लेन-देन पर नयितरण करने के लिये एक और महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। बेनामी लेन-देन वह होता है जिसमें ऐसी संपत्ति दिाँव पर होती है, जिसमें वह खरीदी तो कसिी और के नाम पर जाती है, लेकनि उसके लिये भुगतान कोई और करता है।

- अरथव्यवस्था में काले धन को छपाने के लिये बड़े पैमाने पर बेनामी संपत्तियों की खरीदारी होती है। पारभाषिक रूप से बेनामी संपत्ति वह है, जो व्यक्ती कसिी अनय के नाम पर खरीदता है।
- भारत में बहुत से लोग ऐसे हैं, जनिके धन का कोई हसिाब-कतिाब नहीं है और वे आयकर भी नहीं चुकाते, वे अमूमन बेनामी संपत्तियों में धन लगाते हैं।
- यद संपत्ति पतनी, बच्चे या परवार के कसिी नकिट सदस्य के नाम पर है तो वह बेनामी संपत्ति की श्रेणी में नहीं आएगी। लेकनि यद कसिी तीसरे पक्ष के नाम पर दर्ज है, तब उस स्थिति में ऐसी संपत्ति को जब्त कया जा सकता है।

बेनामी लेन-देन मुखबरी पुरस्कार योजना, 2018

अनेक मामलों में यह पाया गया है कदिूसरों के नाम से संपत्तियों की खरीद में काले धन का नविश कया जा रहा है और इसका लाभ नविशक द्वारा अपने आयकर रटिरन में लाभकारी स्वामतिव को छुपाकर लया जा रहा है।

- काले धन का पता लगाने और कर चोरी में कमी लाने के आयकर वभाग के परयासों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आयकर वभाग द्वारा 'बेनामी लेन-देन मुखबरी पुरस्कार योजना 2018' शीर्षक से एक नई पुरस्कार योजना जारी की है।
- इस योजना का उद्देश्य छपि हुए नविशकों और लाभानवति होने वाले स्वामतियों द्वारा कयि गए बेनामी लेन-देन तथा संपत्तियों व ऐसी संपत्तियों पर अर्जति आय के बारे में सूचना देने के लिये लोगों को प्रोत्साहति करना है।
- 'बेनामी लेन-देन मुखबरी पुरस्कार योजना, 2018' के अंतर्गत बेनामी लेन-देन तथा संपत्तियों तथा ऐसी संपत्तियों से हुई प्राप्तियों जो बेनामी लेन-देन (नषिध) संशोधन अधनियम, 2016 के अंतर्गत कार्रवाई के योग्य हैं, के बारे में नरिधारति प्रकरया के तहत आयकर वभाग के जाँच नदिशालय में संयुक्त या अपर आयुक्त (बेनामी नषिध इकाई) को सूचना देने वाला व्यक्ती एक करोड़ रुपए तक का पुरस्कार प्राप्त कर सकता है।
- इस पुरस्कार के लिये वदिशी भी पात्र होंगे। सूचना देने वाले व्यक्ती की पहचान प्रकट नहीं की जाएगी और पूरी गोपनीयता बरती जाएगी।

आयकर मुखबरी पुरस्कार योजना, 2018

काले धन का पता लगाने और कर चोरी में कमी लाने के आयकर वभाग के परयासों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आयकर वभाग ने 'आयकर मुखबरी पुरस्कार योजना, 2018' नामक नई पुरस्कार योजना जारी की है। यह योजना 2007 में जारी पुरस्कार योजना का स्थान लेगी।

- संशोधति योजना के अंतर्गत भारत में आय और परसंपत्तियों पर कर चोरी के बारे में आयकर वभाग में जाँच नदिशालय के नरिदषिट अधिकारियों को तय प्रकरया के अंतर्गत वशिष सूचना देने वाला व्यक्ती 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशा प्राप्त कर सकता है।
- भारत सरकार ने इससे पहले काला धन (अघोषति वदिशी आय और परसंपत्तियों) तथा करारोपण अधनियम 2015 लागू कया था ताक भारत में कर योग्य लोगों द्वारा वदिशों में रखी गई उनकी आय और परसंपत्तियों की जाँच की जा सके।
- इन पर करों की वसूली की जा सके तथा दंड और मुकदमे जैसे कदम उठाए जा सकें। काला धन (अघोषति वदिशी आय और परसंपत्तियों) तथा करारोपण अधनियम, 2015 के अंतर्गत कार्रवाई योग्य ऐसी आय और परसंपत्तियों के बारे में सूचना देने के लिये लोगों को प्रोत्साहति करने के उद्देश्य से नई पुरस्कार योजना में 5 करोड़ रुपए तक का पुरस्कार शामिल कया गया है।
- इस योजना के तहत पुरस्कार राशा अधिकि रखी गई है ताक वदिशों के संभावति स्रोत आकर्षति हो सकें।
- इस योजना के अंतर्गत काला धन (अघोषति वदिशी आय और परसंपत्तियों) तथा करारोपण अधनियम, 2015 के तहत कार्रवाई योग्य वदिशों में आय और परसंपत्तियों पर कर चोरी के बारे में तय प्रकरया के अंतर्गत वशिष सूचना देने वाले व्यक्ती पुरस्कार राशा प्राप्त कर सकते हैं।
- इस योजना के अंतर्गत सूचना नरिधारति प्रकरया में आयकर महानदिशक (जाँच) या अधिकृत अधिकारी को देनी होगी। इस योजना के लिये वदिशी भी पुरस्कार पाने के पात्र होंगे। सूचना देने वाले व्यक्ती की पहचान प्रकट नहीं की जाएगी और पूरी गोपनीयता बरती जाएगी।

सरकार ने इससे पहले बेनामी संपत्ति लेन-देन अधनियम, 1988 में बेनामी लेन-देन (नषिध) संशोधन अधनियम, 2016 के माध्यम से संशोधन कया था ताक कानून को और मज़बूत बनाया जा सके। इस वधिषक का उद्देश्य एक व्यापक समावेशी ढाँचा तैयार करना है, जिसमें बेनामी संपत्तियों के बेहतर नयिमन की सुनवाई के लिये वशिष सुनवाई प्राधिकरण का गठन कया जाएगा।

